the State Governments have already programmes to achieve every year in their Seventh Five Year Plan. The additional outlay on this account to the Centre is estimated at Rs. 45 crores in 1986-87.

अपने विदेशी दौरों के दौरान प्रधान मंत्री द्वारा प्रयोग की गई भाषा

279. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत एक वर्ष में प्रधान मंत्री ने किन-किन देशों का दौरा किया, वहां के नेताओं के साथ अपनी बातचीत तथा वार्ताओं में उन्होंने किन-किन भाषाओं का प्रयोग किया;

(ख) क्या यह सच है कि विदेशों में अधिकांश दूतावासों में हिन्दी बोलने और लिखने वाले तथा दुभाषियों का नितांत अभाव है ;

(ग) क्या भारत के राजनेता तथा अधिकारी अंग्रेजी का ही प्रयोग करते हैं और उन दुभाषियों की सेवाओं का उपयोग नहीं करते जो हिन्दी में बातचीत कर सकते हैं ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि हमारे नेताओं द्वारा विदेशों में भारतीय संस्कृति तथा साहित्य को नहीं अपनाया जाता बल्कि वहां केवल अंग्रेजी संस्कृति, साहित्य तथा भाषा का प्रयोग किया जाता है ; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के. आर. नारायण) : (क) 1 अप्रैल, 1985 से 31 मार्च, 1986 की अवधि के दौरान प्रधान मंत्री ने भूटान, बंगलादेश, मालदीप, मास्को, सोवियत समाजवादी गणतंत्र, जापान, वियतनाम, अल्जीरिया, मिस्र, फ्रांस, यू.के., नीदरलैंड, स्वीडन, संयुक्त राज्य अमरीका, क्यूबा और बहमास की यात्रा की । प्रधान मंत्री ने अपनी बैठकों में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया । ऐसा बातचीत में सुविधा देखते हुए किया गया ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) जैसाकि पहले बताया गया है अंग्रेजी का प्रयोग मुख्यतया सुविधा के लिए हो किया जाता है क्योंकि बहुत से देशों में समझी जाती है ।

(घ) जी नहीं ।

280. *[Transferred to the 30th April, 1986]*

Non-payment of Pensions to ex-Army Personnel working in Forces of Former Princely States

281. SHRI BHUVNESH CHATURVEDI : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that many ex-army personnel who had been working in the forces of former Princely States before their merger in Rajasthan, have not received their pension so far ;

(b) if so, what is the total number of such cases ; and

(c) what is the number of such persons of Umed Infantry of former state of Kota in Rajasthan ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF DEFENCE RESEARCH AND DEVELOPMENT (SHRI ARUN NEHRU):
(a) to (c) No case for sanctin of pension is pending with CDA (P) Allahabad in respect of those personnel who were working with the Forces of the former Princely States of Rajasthan and were entitled to pension under the rules. Any specific case of non-sanctioning of pension to an entitled person can be examined if the details thereof are provided.

Indian Aid to Laos

282. SHRI BHUVNESH CHATURVEDI : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) what is the amount of aid given by India to Laos during the last three years; and